व्यवसाय योजना बुनाई

आय सृजन गतिविधि

(शॉल व स्टॉल)

मां बुंगा समान रुची समूह

ग्रामीण वन विकास समिति चकुरठा

वन परिक्षेत्र तीर्थन

सराज वन मण्डल सराज

जिला कुल्लू हि0प्र0।

प्रायोजकः

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तन्त्र प्रबंधन

और आजीविका सुधार परियोजना पौटर हिल शिमला

प्रस्तुतिः

वन परिक्षेत्र तीर्थन

सराज वन मण्डल

जिला कुल्लू हि0प्र0।

अनुक्रपणिका

क्र0सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	कार्यकारिणी सांरांश	4 – 5
2.	स्वयं सहायता समूह / समान रूची समूह का विवरण	5 – 6
3.	गांव की भौगोलिक स्थिति	6
4.	आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण	6
5.	उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण	7
6 क	उत्पादन हेतु नियोजन का विवरण	7
6 ख	कच्चे माल की आवश्यकता एवं अनुमानित उत्पादन	8 – 10
7.	विपणन / बिक्री का विवरण	11
8.	समूह सदस्यों के मध्य प्रवंधन का विवरण	11
9.	शक्ति, दुर्बलता, अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण (SWOT Analysis)	12
10.	जोखिमों / चुनौतियों का विवरण	12 – 13
11.	परियोजना की अर्थव्यवस्था का विवरण	13
11क	पूंजीगत व्यय	13
11ख	आवर्ती व्यय	14 – 16
12.	अर्थव्यवस्था का सारांश	17
13.	अनुमानित विक्रय मुल्य की गणना	17
14.	उद्यम हेतु लागत–लाभ विश्लेषण	17 – 18
15.	स्वंय सहायता समूह / समान रूची समूह को धन की आवश्यकता	18
16.	समूह के वित्तीय संसाधन	18 – 19
17.	धनराशि की आवश्यकता का नियोजन	19
18.	लाभ–हानि बिन्दु / स्थिति की गणना	20
19.	ऋण चुकौती की अनुसूची	20 – 21
20.	टिप्पणी	21
21.	स्वंय सहायता समूह के नियमों की सूची	22– 23

Approved

JICA
DMU-Seraj

Approved

Divisional Forest Officer
Seraj Forest Division
at Banjar

1. कार्यकारिणी सांराश

गांव फगबाना ग्राम पंचायत चकुतठा विकास खण्ड़ बन्जार, तहसील बन्जार जिला कुल्लू हिमाचल प्रदेश में स्थित है। कुल्लू जिले की घाटियों को भौतिक सरंचना के अनुसार तरह–तरह के नाम दिए गये है, जिनमें एक नाम फगवाना है। गांव फगवाना कुल्लू मुख्यालय से लगभग 60 कि0 मी0 की दूरी पर बालीचौकी के समीप स्थित है। गांव फगवाना में लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है परन्तु सिंचाई की उचित व्यवस्था ना होने के कारण लोगों को उनकी आय में अपेक्षित बढौतरी नहीं हो रही है। अधिकतर लोगों के पास बहुत कम ज़मीन है, जिसके कारण उनकी आजिविका का निर्वाह ठीक ढ़ग से नहीं हो रहा है। जीवन निर्वाह को अच्छा करने के लिए लोग नगदी फसल व बागवानी के कार्य करके अपनी आजीविका चलाते है।

गांव में लोग स्टॉल, शॉल बुनाई के कार्य कर भी रहे हैं, परन्तु उत्पादन पारम्परिक तरीके से होता है इससे उत्पादन कम और आय भी कम होती है। इस समस्या को दूर करने के लिए तथा ऊनी उत्पादों का उत्पादन बढ़ाने के लिए इन महिलाओं को उन्नत किस्म के यन्त्रों के बारे में जो इस उत्पादन के लिए उपयूक्त है कि जानकारी की आवश्यकता है। भौगोलिक स्थिति के अनुसार इस क्षेत्र में वर्ष भर उत्पादों की आवश्यकता रहती है। इस लिए उचित प्रशिक्षण एवं आधुनिक यन्त्रों का उपयोग करके अधिक से अधिक उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। समय–समय पर मांग व फैशन के अनुसार नये उत्पाद तैयार करने की भी आवश्यकता है।

हिमाचल प्रदेश वन परितन्त्र एवं आजीविका सुधार परियोजना ने गांव में ग्राम वन समिति चकुरठा के गठन के बाद लोगों को आजीविका के साधन बढ़ाने के लिए समूह में कार्य करने के बारे में बताया। परियोजना के माध्यम से फगवाना में 02 स्वयं सहायता समूहों का गठन "माँ बुगां" स्वयं सहायता समूह व महा लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह के रूप में किया गया। इसके बाद माँ बुंगा स्वयं सहायता समूह ने स्टॉल, शॉल बुनाई कार्य करने का निर्णय लिया। इस समूह में 10 सदस्य जिनमें महिलाएं शामिल हुए तथा इस समूह को ''माँ बुंगा" समान रूची समूह का नाम दिया गया।

समान रूची समूह के साथ स्टॉल, शॉल बुनाई के विशेषज्ञ श्री जगत राम हिम बुनकर तकनीकी सहायक व स्थानीय विशेषज्ञ की राय, सुझावों व अनुभवों के आधार पर समूह के सदस्यों ने स्टॉल, शॉल आदि बनाने का निर्णय लिए।

"माँ बुंगा" समान रूची समूह की आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना बनाने के लिए श्री जी0 एस0 चंदेल हि0 प्र0 वन सेवा (सेवानिवृत), श्री जोगिन्दर सिहं हि0 प्र0 वन सेवा (सेवानिवृत), श्रीमति फुला देवी एफ0 टी0 यू0 कॉडीनेटर जाइका टीम, वन विभाग अधिकारी एवं समूह सदस्यों नें तीर्थन वन परिक्षेत्र में स्टॉल, शॉल बुनाई के विशेषज्ञ से बार–बार

बैठके की। परियोजना निर्देशक, वन मण्डलाधिकारी के मार्गदर्शन से इस आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना को अन्तिम रूप दिया।

2. स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह का विवरण

2.1	समान रूची समूह का नाम	माँ बुंगा – चकुरठा
2.2	समान रूची समूह की सूचना प्रणाली प्रबंधन की नियमावली	नियमावली पृष्ठ नं0 22 पर संलग्न है।
2.3	ग्राम वन विकास समिति	चकुरठा
2.4	वन परिक्षेत्र	तीर्थन
2.5	वन मण्डल	सराज
2.6	गांव	फगबाना
2.7	विकास खण्ड	बन्जार
2.8	ज़िला	कुल्लू
2.9	समान रूची समूह में कुल सदस्यों की संख्या	10
2.10	समूह के गठन की तिथि	11.05.2021
2.11	बैंक खाता संख्या	50073252236
2.12	बैंक का नाम और शाखा जहां समूह का खाता संचालित है	के0 सी0 सी0 लारजी
2.13	स्वंय सहायता समूह/समान रूची समूह की मासिक बचत	500
2.14	कुल बचत	500
2.15	सदस्यों को आपस में दिया गया ऋण	0
2.16	नकदी जमा करने की सीमा	
2.17	चुकौती की स्थिति	12 महीने

समान रूची समूह की सूची

क्र.स.	लाभार्थी का नाम व पता	पद	आयु	लिगं	योगयता	श्रेणी	सम्पर्क
1.	श्रीमति ममता देवी पत्नी श्री रोशन लाल	प्रधान	33	स्त्री	12वी	सामान्य	7876311104
2.	श्रीमति परीक्षा देवी पत्नी श्री पूर्ण चन्द	सचिव	33	स्त्री	5वी	सामान्य	7018846048
3.	श्रीमति नूरमा देवी पत्नी श्री ज्ञान सिंह	कोषाध्यक्ष	48	स्त्री	5वी	सामान्य	8544758303
4.	श्रीमति कुबजा देवी पत्नी श्री हेम राज	सदस्य	38	स्त्री	8वी	सामान्य	7876082712
5.	श्रीमति ध्यानू देवी पत्नी श्री	सदस्य	38	स्त्री	8वी	सामान्य	9817352921

	धनी राम						
6.	श्रीमति खीला देवी पत्नी श्री केहर सिंह	सदस्य	31	स्त्री	बी0 ए0	सामान्य	9876813823
7.	श्रीमति चुड़ी देवी पत्नी श्री राम सिंह	सदस्य	46	स्त्री	5वी	सामान्य	9817322133
8.	श्रीमति नैना देवी पत्नी श्री हरि सिंह	सदस्य	31	स्त्री	8वी	सामान्य	6230031862
9.	श्रीमति इशरा देवी पत्नी श्री सुभाष चन्द	सदस्य	38	स्त्री	5वी	सामान्य	7018272807
10.	श्रीमति मनोरमा देवी पत्नी श्री जविन्द्र सिंह	सदस्य	44	स्त्री	5वी	सामान्य	8219854556

3. गांव की भौगोलिक स्थिति

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	सड़क से 60 कि0 मी0 व पैदल 0 कि0 मी0
3.2	मुख्य/लिंक सड़क से दूरी	सड़क से 10 कि0 मी0 व पैदल 0 कि0 मी0
3.3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	बालीचौकी 10 कि0मी0
3.4	प्रमुख बाजार का नाम और दूरी	कुल्लू 60 कि0मी0, भून्तर 50 कि0मी0 व बालीचौकी 10 कि0मी0
3.5	प्रमुख शहरों से दूरी	कुल्लू 60 कि0मी0, भून्तर 50 कि0मी0
3.6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद का बिक्रय/ विपणन किया जाएगा	कुल्लू, भून्तर, औट, बालीचौकी
3.7	प्रस्तावित आय सृजन गतिविधि के सम्बन्ध में गांव की कोई विशेष सूचना	शॉल, स्टॉल बनाते है।
3.8	पिछले/ पूर्व और आगामी सम्पर्कों की स्थिति	लगातार बैठके की जा रही है और शॉल, स्टॉल बुनाई की जानकारी सांझा की जा रही है।

4. आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण

4.1	उत्पाद का नाम	शॉल, स्टॉल
4.2	उत्पाद की पहचान की पद्धति	कुछ सदस्य शॉल, स्टॉल का कार्य पहले से ही करते है।
4.3	स्वंय सहायता समूह/ समान रूची समूह / सदस्यों की सामुहिक सहमति	हाँ

5. उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण

सर्वप्रथम समान रूची समूह के सदस्यों को परियोजना शॉल, स्टॉल आदि का प्रशिक्षण दिया जाऐगा। प्रशिक्षण के उपरान्त समूह के सदस्यों द्वारा उत्पाद तैयार करने में निम्न प्रक्रिया की जाऐगा :–

1. शाल, स्टॉल मशीन द्वारा वनाऐगें। इससे समय और उत्पादों की मज़दूरी दर का खर्चा कम होगा।
2. समूह के 6 सदस्य शॉल बनाने का कार्य करेगें।
3. समूह के 4 सदस्य स्टॉल बनाने का कार्य करेगें।
4. सदस्य बारी–बारी विपणव करेगें व कच्चा माल भी लाऐंगे।
5. समूह के सदस्य प्रति दिन 4 से 5 घण्टे कार्य करेगें।

प्रशिक्षण के उपरान्त समूह द्वारा निम्नलिखित उत्पादों का कार्य किया जाऐगा। जिसका विवरण इस प्रकार से हैः–

डिजाइनदार शॉल और स्टॉल सदस्यों द्वारा तैयार किया जाएगा। 06 सदस्य द्वारा प्रतिमाह प्रति सदस्य 15 शॉल और 04 सदस्य द्वारा प्रतिमाह प्रति सदस्य 40 स्टॉल तैयार किये जाएगें।

6.क उत्पादन हेतु नियोजन का विवरण

6.1	उत्पादन चक्र (दिनों मे) 30 दिन (प्रतिदिन 4–5 घण्टे कार्य करेंगे)	❖ 90 शॉल ❖ 160 स्टॉल
6.2	प्रति चक्र कार्यकताओं की आवश्यकता (संख्या)	❖ 06 सदस्य शॉल के लिए ❖ 04 सदस्य स्टॉल के लिए ❖ कुल 10 सदस्य
6.3	कच्चे माल का स्त्रोत	बालीचौकी, औट, भुन्तर, कुल्लू
6.4	अन्य संसाधनों का स्त्रोत	बालीचौकी, औट, भुन्तर, कुल्लू

6.5 कच्चे माल की आवश्यकता एवं अनुमानित उत्पादन

अ.

सामग्री	उन किस्म	मात्रा प्रति नग (कि0 ग्रा0)	कार्यरत सदस्य सख्या	नग सख्या प्रति सदस्य प्रति दिन	कुल नग सख्या प्रति 30 दिन	उन की मात्रा प्रति चक्कर (कि0 ग्रा0)
शॉल	ताना+बाना उन	0.4	6	0.5	90	36
	केशमिलोन	0.025	6	0.5	90	2.25
स्टॉल	ताना+बाना उन	0.26	4	1.33	160	41.6
	केशमिलोन	0.015	4	1.33	160	2.4

ब.

समग्री	ईकाई	शॉल	स्टॉल	कुल	दर प्रति कि0 ग्रा0	राशि
ऊन	कि0 ग्रा0	36	41.6	77.6	850	65960
केशमिलोन	कि0 ग्रा0	2.25	2.4	4.65	440	2046
डोरी	रुपये प्रति नग	90	160	250	20	5000
कुल						73006

क0 स0	माह		शॉल, स्टॉल, ताना–बाना के लिए ऊन			शॉल, स्टॉल, फूल के लिए केशमिलोन			शॉल, स्टॉल, फूल के लिए डोरी	योग	टिप्पणी
		इकाई	मात्रा (कि0 ग्रा0)	दर	राशि	मात्रा (कि0 ग्रा0)	दर	राशि	राशि		
1	अप्रैल	कि0 ग्रा0	77.6	850	65960	4.65	440	2046	5000	73006	
2	मई	कि0 ग्रा0	77.6	850	65960	4.65	440	2046	5000	73006	
3	जून	कि0 ग्रा0	77.6	850	65960	4.65	440	2046	5000	73006	
4	जुलाई	कि0 ग्रा0	77.6	850	65960	4.65	440	2046	5000	73006	
5	अगस्त	कि0 ग्रा0	77.6	850	65960	4.65	440	2046	5000	73006	
6	सितम्बर	कि0 ग्रा0	77.6	850	65960	4.65	440	2046	5000	73006	
7	अक्तूबर	कि0 ग्रा0	77.6	850	65960	4.65	440	2046	5000	73006	
8	नवम्बर	कि0 ग्रा0	77.6	850	65960	4.65	440	2046	5000	73006	
9	दिसम्बर	कि0 ग्रा0	77.6	850	65960	4.65	440	2046	5000	73006	
10	जनवरी	कि0 ग्रा0	77.6	850	65960	4.65	440	2046	5000	73006	

11	फरवरी	कि0 ग्रा0	77.6	850	65960	4.65	440	2046	5000	73006	
12	मार्च	कि0 ग्रा0	77.6	850	65960	4.65	440	2046	5000	73006	

- प्रत्येक चक्र (प्रति माह) में शॉल 90 और स्टॉल 160 तैयार किए जाएंगे।

7. विपणन/बिक्री का विवरण

7.1	सम्भावित विपणन स्थल	बालीचौकी, औट, भुन्तर, कुल्लू
7.2	इकाई से दूरी	10 से 60 कि0 मी0
7.3	मण्डी स्थल/ स्थलों में उत्पाद की मांग	बालीचौकी, औट, भुन्तर, कुल्लू
7.4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह द्वारा अपनी क्षमता व स्थानीय मांग के अधार • विक्रेताओं की सूची बनाना। • विक्रेताओं से सम्पर्क।
7.5	विपणन पर मौसम का प्रभाव	सर्दी में ज्यादा मांग
7.6	उत्पाद के संभावित खरीद दार	स्थानीय लोग, शहरी लोग, पर्यटक
7.7	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	किरायेदार, नौकरी वाले, बाहरी लोग
7.8	उत्पाद का विपणन तंत्र	• दुकानदारों से सम्पर्क। • अपना बिक्री केन्द्र • मेलों में स्टाल/ प्रदर्शनी • विभिन्न कार्यालय • धार्मिक स्थलों
7.9	उत्पाद की विपणन रणनीति	▪ थोक व्यापारी ▪ परचून व्यापारी ▪ एजैन्ट 5 – 10 प्रतिशत कमीश्न ▪ लोकल नैटवर्क में प्रचार ▪ सोशिल मीडिया में प्रचार
7.10	उत्पाद का छाप निर्धारण	माँ बुगां – चकुरठा स्वयं सहायता समुह
7.11	उत्पाद का "नारा"	जन–जन तक संदेश पहुचाना है, आत्मर्भिर बनना और पर्यावरण बचाना है।

8. समूह सदस्यों के मध्य प्रवंधन का विवरण

- प्रवन्धन के लिए नियम बनाये गये है।
- समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यो का बंटवारा करेंगें।
- बंटवारा कार्य की कुशलता व क्षमता के अधार पर किया जाऐगा।
- लाभ का बंटवारा भी कार्य की गुणवता व कुशलता तथा मेहनत के आधार पर किया जाएगा।
- विपणन करने वाले सदस्य को कुल विक्री राशि पर प्रोत्साहन दिया जाएगा।
- विपणन में अनुभव रखने वाले सदस्य बारी–बारी से विपणन करेगे।
- प्रधान व सचिव प्रबन्धन का मुल्यांकन एंव अवलोकन समय–समय पर करते रहेगें।

9. शक्ति, दुर्बलता, अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण (SWOT Analysis)

शक्ति

- महिलाओं में कार्य करने की लग्न है।
- पहले से ही कुछ सदस्य शाल स्टाल बुनाई का काम करते है।
- समूह में अनुभवी सदस्य भी है।

दुर्बलता

- कुछ गांव सड़क से जुडे नहीं है।
- महिलाऐं कृषि व पशुपान के कार्य भी करती हैं।
- कार्य के लिए 2 से 3 घण्टें का समय ही निकाल पाना।
- समूह में कार्य पहली बार कर रहे है।

अवसर

- हि0 प्र0 वन परितन्त्र प्रबन्धन परियोजना से सहयोग व निधि मिलेगी।
- प्रशिक्षण से कुशलता व क्षमता में बढ़ौतरी होगी।
- समूह में महिलाऐं है।
- उत्पादकों की लोकल व शहरों में मांग है।
- कुल्लू व मनाली पर्यटक स्थल है।

चनौती

- अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।
- बाज़ार की स्थति (डिमाड़) को ना समझना।
- अन्य उत्पाद केन्द्रों से प्रतिस्पार्धा।
- उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।
- अन्य (कृषि बागवानी व पशुपालन) कार्यो में व्यवस्थता।

10. जोखिमों/चुनौतियों का विवरण

क्र0 सं0	जोखिमों/ चुनौतियों का विवरण	जोखिम कम करने के उपाय
10.1	बाज़ार की स्थति (डिमांड़) को ना समझना।	समय – समय पर बाज़ार की मांग के अनुसार चलना।
10.2	अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।	उपभोक्ताओं के मनपसन्द उत्पाद तैयार करना।
10.3	अन्य उत्पाद केन्द्रों से प्रतिस्पर्धा।	अन्य उत्पाद केन्द्रों से बेहतर उत्पाद बनाना व शरू में कम लाभ कमाना।

10.4	उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।	उपभोक्ताओं से हमेशा सम्पर्क में रहना।
10.5	कृषि बागवानी व पशुपालन कार्यों में ज्यादा व्यस्थता।	कृषि बागवानी व पशुपालन और घर के अन्य कार्यों के साथ – साथ स्वैटर बुनाई में ध्यान देना।
10.6	समूह में बंटवारा	आय में बंटवारा कुशलता व क्षमता के अधार पर करना। पार्दर्शिता से कार्य करना।
10.7	उत्पाद की गुणवता घटने से विक्री कम हो सकती है।	गुणवता बनाये रखने के लिए समूह को उच्च मापदण्ड रखने होंगें।

11. परियोजना की अर्थव्यवस्था का विवरण

11 क – पूंजीगत व्यय

क्र0 सं0	विवरण	संख्या	दर	राशि
1	शॉल के लिए 50 इंच खड्डी, कघें इत्यादि सामान के साथ	6	16000	96000
2	शॉल के लिए 40 इंच खड्डी, कघें इत्यादि सामान के साथ	4	14000	56000
3	चरखा, उरी सामान के साथ	3	2000	6000
4	कैन्ची	5	200	1000
	योग			**159000**

11 ख – आवर्ती व्यय (एक चक्र में)

क्र0स0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशि
1.	किराया (बस)	दिन	7	500	3500
2.	किराया (दुकान)प्रति माह दो कमरे	महीना	1	3000	3000
	योग				6500

क्र0 सं0	समग्री	कार्यरत सदस्य संख्या–4 घंटे प्रतिदिन	उत्पादन प्रति माह	विवरण	इकाई	मात्रा (कि0 ग्रा0)/संख्या	छर	उत्पादन मुल्य प्रति नग	माल की आवश्यकता प्रति माह	राशि	लाभ 30 %	विक्रय मुल्य	वर्तमान बाजार भाव
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	
	शॉल	6	90	ताना ऊन	कि0 ग्रा0	0.2	850	170	**18**	**15300**			
			90	बाना ऊन	कि0 ग्रा0	0.2	850	170	**18**	**15300**			
			90	फूल केशमिलोन	कि0 ग्रा0	0.025	440	11	**2.25**	**990**			
			90	गांठे देना	रु/शॉल	1	10	10	**90**	**900**			
			90	डोरी	रु/शॉल	1	20	20	**90**	**1800**			
			90	धुलाई	रु/शॉल	1	50	50	**90**	**4500**			
			90	पैकिग व टैगिग	रु/शॉल	1	10	10	**90**	**900**			

			90	ढुलाई 7 दिन और कमरे का किराया	रु/शॉल	1	26	26	90	2340			
			90	वेतन व मजदूरी	रु/शॉल	1	300	300	90	27000			
योग		6	90					767		69030	230.1	997.1	1200
	सटॉल	4	160	ताना ऊन	कि0 ग्रा0	0.13	850	110.5	20.8	17680			
			160	बाना ऊन	कि0 ग्रा0	0.13	850	110.5	20.8	17680			
			160	फूल केशमिलोन	कि0 ग्रा0	0.015	440	6.6	2.4	1056			
			160	गांठे देना	रु/शॉल	1	10	10	160	1600			
			160	डोरी	रु/शॉल	1	20	20	160	3200			
			160	धुलाई	रु/शॉल	1	50	50	160	8000			
			160	पैकिग व टैगिग	रु/शॉल	1	10	10	160	1600			
			160	ढुलाई 7 दिन और कमरे का किराया	रु/शॉल	1	26	26	160	4160			

			160	वेतन व मजदूरी	रु/शॉल	1	112.5	112.5	160	18000			
योग		4	160					456.1		72976	136.83	592.93	650
कुल योग		10	250							142006			

12 अर्थव्यवस्था का सारांश उत्पादन की लागत

क्र0 स0	विवरण	धनराशि
1.	कुल आवर्ती लागत	142006
2.	पूंजीगत व्यय पर 10 प्रतिशत वार्षिक ह्रास	1325
3.	ऋण पर 10 प्रतिशत वार्षिक ब्याज	978
	योग	144309

13 अनुमान विक्रय मुल्य की गणना

सामग्री	सामग्री संख्या प्रति माह	उत्पादन मुल्य	लाभ (30:)	विक्रय मुल्य	विक्रय मुल्य प्रति नग	बर्तमान बाजार भाव
शॉल	90	**69030**	20709	89739	997	1200
स्टॉल	160	72976	21893	94868ण8	593	650
कुल	**250**	**142006**	**42602**	**184608**		
पूंजीगत व्यय पर 10 प्रतिशत वार्षिक		1325				
ऋण पर 10 प्रतिशत वार्षिक ब्याज		978				
योग		**144309**				

13 उद्यम हेतु लागत– लाभ विश्लेषण (एक चक्र में यानि 01 महीना में)

क्र0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशि
1	पूंजीगत व्यय पर 10 % वार्षिक ह्रास (अ)				1325
2	आवर्ती व्यय (ब)				144309
3	कुल लाभ 184608–(14006+1325+978)				40299
4	उत्पाद की विक्री से सकल लाभ (कुल लाभ + मजदूरी + किराया) 40299+45000+3000				88299
	एक चक्र के उपरान्त लाभ के रूप में सदस्यों के मध्य वितरण हेतू				24399

5	उपलब्ध धनराशि = उत्पाद की विक्री से आय – (मूलधन व ब्याज वापसी हेतुत्र्र वांछित धनराशि + दूसरे चक्र हेतू आवश्यक आवर्ती व्यय) 184608–(15900+142006+1325+978)	
6	शु:द्ध सकल लाभ प्रति सदस्य सकल लाभ–(कमरे का किराया+ वार्षिक ह्रास+ब्याज)/सदस्य सख्या 88299–(3000+1325+978)=82996/10	8300

15. स्वंय सहायता समूह/समान रूची समूह को धन की आवश्यकता

क्र0	मद	कुल व्यय	परियोजना द्वारा अंशदान 50 %	समूह द्वारा अंशदान 50 %		समूह को ऋण की आवश्यकता	टिप्पणी
				नगद 25 %	ऋण 25 %		
1	पूंजीगत व्यय	159000	79500	39750	39750	79500	समूह 25% नगद अंश अपनी प्रथम 2 माह के वेतन से अदा करेगा यद्यपि समूह को अपना हिस्सा नगदी अदा करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है
2	आवर्ती व्यय	144309				99309	राशी वेतन घटा कर है
3	अन्य व्यय					0	
	योग					**178809**	
	समूह को ऋण की आवश्यकता लगभग राशि					**178809**	

नोट : – चूंकि मजदूरी का प्रबन्ध समूह के सदस्य स्वयं करेंगें अत : इसके लिए अतिरिक्त धन की आवश्यकता नहीं होगी इसलिए समूह की वित्तीय आवश्यकता में दिये गये आवर्ती व्यय मेंए मजदूरी नहीं जोड़ा गया है।

16. समूह के वित्तीय संसाधन

क्र0	विवरण	धनराशि	टिप्पणी
1	परियोजना द्वारा उपलब्ध करायी गयी सहायता कोष	79500	
2	समूह की अतिरिक बचत	500	
3	मेंचिग ग्रांट	0	
4	रीवोलविंग फंड	100000	ऋण के लिए गांरटी के रूप पर उपयोग

			किया जाएगा
5	5% ब्याज सबसीडी	4928	
	कुल	**184928**	

परियोजना द्वारा 100000/– रूपये राशि बीज कोष के रूप में उपलब्ध करायी जायेगी। इस बीज कोष के आधार पर ही समूह के सदस्य बैंक से ऋण लेगें।

16 ब– ब्याज की गणना

समूह को ऋण की आवश्यकता	12% ब्याज	योग	किश्त	5% ब्याज	7% ब्याज
178809	**11826**	**190635**	**15900**	**4928**	**6899**

17. धनराशि की आवश्यकता का नियोजन

क्र0 सं0	विवरण	राशि
1	शॉल के लिए 50 इंच खड्डी, कघें इत्यादि सामान के साथ	48000
2	शॉल के लिए 40 इंच खड्डी, कघें इत्यादि सामान के साथ	28000
3	चरखा, उरी सामान के साथ	3000
4	कैन्ची	500
	योग	79500
	कच्चा माल	99309
	कुल योग	**178809**

18. लाभ – हानि बिन्दु/स्थिति की गणना (ब्रेक इविन प्वाइन्ट)

सामग्री	पूंजीगत व्यय	विक्री मुल्य प्रति सामग्री नग	उत्पादन प्रति सामग्री नग	लाभ प्रति सामग्री नग	नग उत्पादन प्रति दिन	कुल लाभ प्रति दिन (5×6)	पूंजीगत व्यय को पूरा करने के लिए आवश्यक दिन	ब्रेक इविन प्वाइन्ट
1	2	3	4	5	6	7	8	
शॉल		997	767	230	3	690		
स्टॉल	159000	593	456	137	5.33	729		
कुल	159000	1590	1223	367	8.33	1420	112	4 महीने

इस प्रक्रिया में उरोक्त उत्पाद की विक्री के इसी अनुपात के अनुसार 4 माह में सम विछेदन बिन्दू प्राप्त किया जा सकता है।

19. ऋण चुकौती की अनुसूची

क्र0	महीना	ऋण वापसी			संचयी ऋण वापसी	अवशेष ऋण		
		मूलधन	ब्याज	कुल		मूलधन	ब्याज	कुल
1	महीना–1					178809	1788	180597
2	महीना–2	14112	1788	15900	15900	164697	1647	166344
3	महीना–3	14253	1647	15900	31800	150444	1504	151949
4	महीना–4	14396	1504	15900	47700	136049	1360	137409
5	महीना–5	14540	1360	15900	63600	121509	1215	122724
6	महीना–6	14685	1215	15900	79500	106824	1068	107892
7	महीना–7	14832	1068	15900	95400	91992	920	92912
8	महीना–8	14980	920	15900	111300	77012	770	77782
9	महीना–9	15130	770	15900	127200	61882	619	62501
10	महीना–10	15281	619	15900	143100	46601	466	47067
11	महीना–11	15434	466	15900	159000	31167	312	31479
12	महीना–12	15588	312	15900	174900	15579	156	15735
13	महीना–13	15579	156	15735	190635	0	0	0
	योग	178809	11826	190635			11826	

- 12% वार्षिक ब्याज की गणना प्रति माह घटाते हुऐ मूलधन के आधार पर की गई है।
- समायोजन के कारण अन्तिम ई0एम0आई0 नियमति ई0एम0आई0 से कम या अधिक हो सकती है।

19. टिप्पणी

समूह द्वारा प्रथम चक्र में 250 नग यानि 90 शॉल, 160 स्टॉल तैयार करके विक्रय किए जाएगें।

21. स्वंय सहायता समूह के नियमों की सूची

1. समूह का नाम : चकुरठा– माँ बुंगा
2. समूह का पता : गांव फागवाना डाकधर चकुरठा तहसील बन्जार जिला कुल्लू हि0प्र0।
3. समूह के कुल सदस्य :10
4. समूह की पहली बैठक की तिथि : 11.05.2021
5. समूह में हर 100 रूपए पर 2 रूपए ब्याज होगा।
6. समूह की मासिक बैठक हर माह की 10 तारिख को होगी।
7. समूह के सभी सदस्य हर माह की बचत की गई राशि को समूह में जमा करेगें।
8. स्वयं सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा।
9. स्वयं सहायता समूह का खाता **5007325236** में खोला जाएगा खाता संख्या नंबर **के0 सी0 सी0 बैंक लारजी** है।
10. समूह ही बैठक में गैर हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी।
11. समूह में जो बचत की राशि जमा नहीं करवाते या 3 बैठकों तक समूह से गैर हाज़िर रहते है तो उस व्यक्ति को समूह से निकाल दिया जाएगा।
12. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए बगैर गैर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होगें तो खर्च मिलकर देना होगा।
13. स्वयं सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाऐगें।
14. प्रधान व सचिव बैंक से लेन देन कर सकते है, यह पद एक वर्ष तक मान्य होगा।
15. प्रधान, सचिव या सदस्य समूह के विरूद्व कोई काम नहीं करेगा। समूह की रकम का सदा सदुपयोग करेगें।
16. अगर सदस्य किसी कारणवश समूह को छोड़ना चाहता है, अगर इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को वापिस करना होगा तभी समूह को छोड़ सकता है अन्यथा नहीं।
17. ऋण का उदेश्य रकम की चुकोती का समय ऋण की किश्त और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी।
18. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशि होनी चाहिए।
19. स्वयं सहायता समूह के रजिस्ट्रर को सभी सदस्यों के सामने पढ़ा व लिखा जाना चाहिए।
20. ऋण लेने वालों को एक सप्ताह पहले की सूचना देनी होगी।
21. ऋण जरूरत के समय सभी सदस्यों को मिलना चाहिए।

22. अगर सदस्य बिना कारण से समूह को छोड़ना चाहता है तो उस सदस्य की जमा रही समूह मे बांटी जाएगी।
23. समूह को अपनी मासिक रिपोर्ट प्रति माह तकनीकी क्षेत्रीय इकाई (Field Technical Unit) के कार्यालय में देनी होगी।

ममता देवी
प्रधान

नूरमा देवी
सचिव

कुब्जा देवी
कोषाध्यक्ष

सवित्रा देवी
सदस्य

चुड़ा देवी
सदस्य

मैना देवी
सदस्य

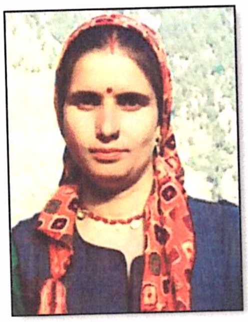
इशरा देवी
सदस्य

ध्यानु देवी
सदस्य

डोलमा देवी
सदस्य

नुरमा देवी
सदस्य